Regional Research Conference on 22 September 2020

वन उत्पादकता संस्थान में वेबिनार के माध्यम से पूर्वी भारत क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का उद्घाटन

क्षेत्रीय- राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान की आवश्यकताओं पर दिया गया बल

आजाद सिपाही संवाददाता

पिस्कानगड़ी । प्रखंड के लाल गुटवा स्थित वन उत्पादकता संस्थान में मंगलवार को वेबिनार के माध्यम से पूर्वी भारत के एक दिवसीय क्षेत्रीय अनुसंधान सम्मेलन का शुभारम्भ करते हुए संस्थान के निदेशक डॉ नितिन कुलकर्णी, वन जैव विविधता संस्थान, हैदराबाद के निदेशक, डी जयप्रसाद ने सभी प्रतिभागियों का संयुक्त रूप से स्वागत किया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि डॉ. संदीप त्रिपाठी ने वेबिनार के माध्यम में उपस्थित सभी प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए कहा कि परिषद में होने वाले बुनियादी, समकालीन, सहयोगी एवं नेटवर्किंग योजनाओं के सम्मिलन से शोध में सहयोग को प्रेरित करने के लिए अखिल भारतीय समन्वित परियोजनाओं का महत्वपूर्ण योगदान रहेगा।

उन्होंने बताया ने केवल राज्य वन विभाग वल्कि विभिन्न वन आधारित उद्योग, किसानों, सहकारी समितियों, गैर सरकारी संगठन, वानिकी

अनुसन्धान से सम्बंधित किसी भी सामान्य एवं विशिस्ट समस्या के निदान हेतु, हमारे किसी भी संस्थान से संपर्क कर सकते हैं। कार्यक्रम मे मुख्य अतिथि के रूप में ओडिशा के आईएफएस, पीसीसीफ, एचओएफएफ डॉ. संदीप त्रिपाठी, मुख्य समन्वयक भा.व.से., महानिदेशक, भारतीय वानिकी अनुसन्धान एवं शिक्षा परिषद् के अरुण सिंह रावत, एस.डी. शर्मा, आईएफएस, डीडीजी, अनुसंधान के आर. सोभा, आईएफएस, पी. के. वर्मा, ए.के. पांडे, डॉ. जोस टी. मैथ्यूज, एके प्रसाद, डॉ. योगेश्वर मिश्र, डॉ. प्रवीण एच. चव्हाण, डॉ. कैलाश चंद्र, एस. दुबे ने वर्तमान अनुसंधान कि आवश्यकताओं पर अपना व्यक्तव्य देते हुए मार्गदर्शन दिया।

मौके पर डॉ. एस.डी. शर्मा इस सम्मलेन के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए बताया कि इस कार्यशाला के अंतर्गत झारखण्ड, बिहार, पश्चिम बंगाल, तेलंगाना, आंध्रा प्रदेश तथा ओड़ीसा राज्यों के हितधारकों के साथ विचार विमर्श कर क्षेत्रीय और राष्ट्रीय स्तर पर अनुसंधान की आवश्यकताओं की पहचान करने के लिए तथा उनकी प्राथमिकतायें निर्धारित करने की जरूरत पर बल दिया। संस्थान के जनसंपर्क अधिकारी शम्भूनाथ मिश्र सहित पूर्वी भारत के प्रमुख फॉरेस्ट और शिक्षाविदों में सत्यजीत सिंह, डॉ अक्षय कुमार पट्टनायक, डॉ वेंकटेश्वर, संजय कुमार सिन्हा, प्रियंका वर्गीज, डॉ. के के शर्मा, डॉ. निरंजन कुमार, डॉ. शरद तिवारी, संजीव कुमार, टी.महतो, सरोज महापात्र, प्रदान के अलावा मुख्यतः कॉलेजों के प्रतिनिधि, विश्वविद्यालयों, केंद्रीय एवं राज्य वन मंत्रालय के सदस्यों, गैर सरकारी संगठन, औद्योगिक क्षेत्र के गणमान्य अतिथि ने सम्मलेन में भाग लिया। मौके पर डॉ. योगेश्वर मिश्र ने धन्यवाद ज्ञापन किया।